www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 352 | जौनपुर, बुधवार, 12 अगस्त 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

उत्तर 24 परगना के बाद अब कोलकाता में ममता बनर्जी का विरोध

कोलकाता, (एजेंसी)। उत्तर कोलकाता के श्यामबाजार पांच रास्ता चौराहे पर पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को मंगलवार दोपहर विरोध का सामना करना पड़ा। यह विरोध उस घटना के दो दिन बाद हुआ, जब उत्तर 24 परगना जिले के कांचरापाड़ा में पुलिस हिरासत में कथित तौर पर मृत एक तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता के परिवार से मिलने के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध किया था। राजनीति विरोध् ा प्रदर्शन में केवल श्चोरश और श्गो बैकश के नारे लगाए गए, जबकि रविवार को कांचरापाड़ा में प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी की कार को घेर लिया था, उनकी ओर कीचड़ और एक चप्पल फेंकी थी तथा उन्हें श्चोरश बताते हुए नारे लगाए थे। म्ततवत सवंकपदह ं के. ममता बनर्जी मंगलवार को श्यामबाजार में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंची थीं। प्रतिमा पर माल्यार्पण के दौरान वहां स्थिति पूरी तरह शांत रही। माल्यार्पण कार्यक्रम पूरा करने के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने नेताजी समेत कई महान स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया है। इस दौरान जब वह वहां से जाने लगीं, तभी कुछ भाजपा कार्यकर्ता वहां एकत्र हुए और उनके खिलाफ नारेबाजी की। इससे कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई, लेकिन बड़ी संख्या में मौजूद पुलिस बल ने जल्द ही हालात को नियंत्रण में कर लिया। इसके बाद ममता बनर्जी वहां से रवाना हो गईं। एक भाजपा समर्थक ने कहा, ष्जब पूर्व मुख्यमंत्री नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रही थीं, तब हमने कोई नारा नहीं लगाया और न ही कोई प्रदर्शन किया, लेकिन उसके बाद हमने उन्हें सिर्फ चोर कहा। इसमें कुछ भी गलत नहीं है।ष सोमवार को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा था कि ममता बनर्जी की सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर ममता बनर्जी अपने दौरों की जानकारी पहले से पुलिस को देंगी तो उचित सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी।

'रील युग' में रह रहे युवा 'शॉर्टकट' से दूर रहें - पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने देश की युवा पीढ़ी शॉर्टकट के रास्ते से बाहर निकलने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि रील का जमाना है। सोशल मीडिया में इंफ्लूएंसर आपको खींचकर कहीं से कहीं ले जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक माई लाइफ, माई स्ट्रगल्स का विमोचन किया। इस दौरान, पीएम मोदी ने युवा पीढ़ी से पूर्व राष्ट्रपति की आत्मकथा पढ़ने और उनके जीवन के अनुभवों व संघर्षों से सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैं युवा पीढ़ी से खासकर आग्रह करता हूं। रील का जमाना है। सोशल मीडिया में इंफ्लूएंसर आपको खींचकर कहीं से कहीं ले जाते हैं। इस शॉर्टकट के युग में भी एक बात जरूर याद रखें। रेलवे स्टेशनों पर कुछ लोगों को पटरी पर कूदकर जाने की आदत होती है। वह ब्रिज से होकर नहीं जाते हैं, लेकिन वहां (रेलवे स्टेशन) पर लिखा होता है– शॉर्टकट विल कट यू शॉर्ट। पीएम मोदी ने कहा कि अगर शॉर्टकट के रास्ते से बाहर निकलना है तो मैं नौजवानों से कहूंगा कि आपको जिसकी भी आत्मकथा पसंद हो, कृपया उसे पढ़ें। उन्होंने कहा कि आत्मकथा इतिहास की घटनाओं को अलग तरीके से समझने का अवसर देती हैं। वो कालखंड इतिहास के काफी निकट होता है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद किया। उन्होंने राष्ट्रपति के तौर पर कोविंद के कार्यकाल के दौरान मिले मार्गदर्शन और स्नेह की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र और समाज के लिए एक श्अनमोल धरोहरश बनेगी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ष्आज हमें रामनाथ कोविंद की आत्मकथा के विमोचन का अवसर मिला है। मुझे खुशी है कि इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला है। रामनाथ कोविंद से बहुत लंबा परिचय रहा है। उन्हें करीब से जानने का भी अवसर मिला है। राष्ट्रपति के रूप में उनके मार्गदर्शन के साथ–साथ उनका मेरे प्रति विशेष स्नेह और आत्मीयता, यह मेरी बहुत बड़ी पूंजी रही है। उन्होंने कहा कि रामनाथ कोविंद के जीवन को जितना समझा है, कार्य क्षमताओं को जितना जाना है, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं।

आंध्र प्रदेश सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए प्रतिबद्ध : चंद्रबाबू नायडू

आंध्र प्रदेश, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस की भी बधाई दी। चंद्रबाबू नायडू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "मेरे युवा दोस्तों, आप हमारी ऊर्जा हैं। आप हमारी ताकत हैं। आप आने वाले कल की उम्मीद और भरोसा हैं। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर मैं एक ऐसा भविष्य बनाने के हमारे संकल्प को दोहराता हूं, जहां हर युवा को अपना रास्ता चुनने और अपनी पसंद की जिंदगी जीने की स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और अवसर मिले।" उन्होंने आगे लिखा, "आज हम जो कुछ भी कर रहे हैं, उसका मकसद आखिरकार आपके लिए एक बेहतर भविष्य बनाना है। एक ऐसा भविष्य जहां आपके पास अधिक अवसर हों, सपने देखने की स्वतंत्रता हो और उन सपनों को सच करने के लिए जरूरी सहयोग मिले। मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं और इस भविष्य को मिलकर आकार देने में मेरे साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं।"

राज्य के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने भी अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा, "युवा सिर्फ भारत का भविष्य ही नहीं हैं। वे उस ऊर्जा, साहस और कल्पना–शक्ति का स्रोत हैं जो भारत के वर्तमान को आकार दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर मैं उन युवा सोच वाले लोगों को प्रणाम करता हूं जो आम सोच से हटकर सपने देखने, असंभव लगने वाली चीजों पर सवाल उठाने और विचारों को हकीकत में बदलने का साहस रखते हैं।" पवन कल्याण ने आगे कहा, "जिस युवा के मन में ज्ञान, दिल में साहस और कर्म में चरित्र हो, वह एक परिवार, एक समुदाय और अंततः पूरे देश को बदल सकता है।

उपराष्ट्रपति ने दिल्ली में 'हर घर तिरंगा' बाइक रैली को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली, (एजेंसी)।उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को राजधानी दिल्ली में 'हर घर तिरंगा' बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने नागरिकों से अभियान में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने और गर्व के साथ तिरंगा फहराने की अपील की। स्वतंत्रता दिवस से पहले आयोजित इस रैली में एनडीए के सांसद और बड़ी संख्या में समर्थक राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल हुए। रैली भारत मंडपम से मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम

तक निकाली गई। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अभियान के तहत आयोजित तिरंगा यात्रा, बाइक रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रम भले ही अलग–अलग हों, लेकिन उनमें देश के प्रति अपनापन और एकता की भावना एक जैसी होती है।उन्होंने कहा, "तिरंगा यात्रा, बाइक रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गतिविधियां अलग–अलग हो सकती हैं, लेकिन उनमें छिपी भावना एक ही हैकृऔर वह है देश के प्रति सामूहिक अपनापन। सी.पी. राधाकृष्णन ने जोर देकर कहा कि अभियान का संदेश बाइक रैली समाप्त होने के साथ ही खत्म नहीं होना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस भागीदारी की भावना को अपने घरों और समुदायों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा, "रैली खत्म होने पर सफर खत्म नहीं होता।" उन्होंने रैली में भाग लेने को देश के प्रति प्रतिबद्धता दिखाने और साथी नागरिकों के लिए मिसाल कायम करने का माध्यम बताया। उपराष्ट्रपति ने लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान को रैलियों से आगे बढ़ाने और हर नागरिक को गर्व के साथ तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

एक–एक सवाल का दूंगा जवाब, विपक्ष तय करे चर्चा करनी है या हंगामा : गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साफ तौर पर कहा है कि वे गुरुवार को सदन में विपक्ष के एक–एक सवाल का जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार संसद में हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है। साथ ही, गृह मंत्री ने विपक्ष के हंगामे को लेकर भी निशाना साधा। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "मोदी सरकार संसद में हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है। विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष के पास चर्चा का पत्र दे। बुधवार दोपहर 3 बजे से गुरुवार दोपहर 3 बजे तक हम चर्चा करने के लिए तैयार हैं।" वहीं, विरोधी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने लिखा, "विपक्ष का उद्देश्य चर्चा करना नहीं, हंगामा करना है। मैं गुरुवार को विपक्ष के एक–एक सवाल का जवाब दूंगा। फिर जनता तय करेगी कि कौन चर्चा करना चाह रहा है और कौन भाग रहा है।" गृह मंत्री अमित शाह ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "'लापता', 'भाग गए' और 'भगोड़े' हैं, जैसी भाषा भारत के सार्वजनिक और संसदीय जीवन में अभी–अभी सुनाई पड़ रही है। जब से सत्र शुरू हुआ, तब से मैं लगातार संसद आता हूं। मैं अपने चैंबर में बैठता हूं, चूंकि विपक्ष संसद के दोनों सदनों को चलने नहीं दे रहा है, तो वहां जाकर क्या किया जा सकता है?" उन्होंने आगे कहा, "जहां तक चर्चा का सवाल है, सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट कर दिया है कि नीट को लेकर छात्रों के प्रदर्शन पर सभी प्रकार की चर्चा करने के लिए तैयार है। चर्चा के लिए समय सुनिश्चित किया जाए और विपक्ष तैयार हो जाए। विपक्ष इसकी मांग कर रहा था और हमने इसे स्वीकार किया।" शाह ने हमला बोलते हुए कहा, "मैंने भी कह दिया है कि मैं किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूं, लेकिन वो (विपक्ष) चर्चा ही नहीं होने देना चाहते हैं। अब जनता तय करे कि कौन भाग रहा है।" गृह मंत्री ने यह भी कहा कि आज 3 बजे तक विपक्ष स्पीकर साहब को पत्र दे।

झारखंड में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई निंदनीय, ऐसी क्रूरता नहीं होनी चाहिए - अभिजीत दिपके

संभाजीनगर, (एजेंसी)। झारखंड में छात्रों के विरोध–प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने झारखंड सरकार पर जुबानी हमला किया। उन्होंने छात्रों पर कथित तौर पर आंसू गैस और लाठीचार्ज किए जाने की आलोचना करते हुए कहा कि अपने अधिकारों और भविष्य के लिए आंदोलन कर रहे छात्रों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। वहीं, आंदोलन के नेता देवेंद्र नाथ महतो के प्रति समर्थन जताते हुए कहा कि उनकी टीम लगातार आंदोलनकारियों के संपर्क में है और उन्हें हरसंभव मदद दी जा रही है। अभिजीत दिपके ने झारखंड में हुई पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि वहां का घटनाक्रम बेहद खराब था। जंतर–मंतर पर हुए विरोध् ा–प्रदर्शन से इसकी तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड में छात्रों पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए और लाठियां बरसाई गईं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राजनीतिक दल प्रदर्शन करते हैं तो उनके खिलाफ उसी तरह लाठीचार्ज या आंसू गैस का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जाता। लेकिन, छात्रों के आंदोलनों के दौरान ही ऐसी कार्रवाई देखने को मिलती है। दिपके ने कहा कि छात्रों का आंदोलन किसी वोट बैंक के लिए नहीं है। वे अपने अधिकारों और अपने भविष्य के लिए लड़ रहे हैं। ऐसे में उनके खिलाफ कथित तौर पर बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया जा सकता। अभिजीत दिपके ने बताया कि उनकी देवेंद्र नाथ महतो से बातचीत हुई है। महतो कई दिनों से अनशन पर थे और इसके बावजूद पुलिस कार्रवाई में उनके घायल होने की बात सामने आई है। महतो की तबीयत को लेकर उनकी टीम लगातार जानकारी ले रही है और अस्पताल में भी टीम के लोग मौजूद रहे। उन्होंने महतो से उनकी सेहत के बारे में जानकारी ली और यह भरोसा दिया कि आंदोलनकारियों को जिस भी तरह की मदद की आवश्यकता होगी, उनकी टीम उनके साथ खड़ी रहेगी।

छात्रों का इस्तेमाल कर रहे राहुल गांधी, विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए गृह मंत्री तैयार – भाजपा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद में केंद्र और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के बीच भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर अपने एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए छात्रों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। साथ ही, पार्टी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छात्रों के आंदोलन पर विस्तृत चर्चाश के दौरान जवाब देने के लिए पहले ही तैयार हैं। भौगोलिक संदर्भ विपक्ष 20 जुलाई को संसद चलोश मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस बर्बरता को लेकर केंद्रीय मंत्री शाह से जवाब की मांग कर रहा है। विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बीच संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, ष्हमने सोमवार को कहा था कि केंद्र सरकार छात्रों के विरोध प्रदर्शन से जुड़ी घटनाओं पर विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है, और हमने जवाब भी तैयार कर लिया था। किरेन रिजिजू ने संसद भवन के बाहर कहा, ष्गृह मंत्री भी चर्चा का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमने यह भी कहा था कि सरकार सिर्फ बयान ही नहीं, बल्कि पूरी चर्चा करने को भी तैयार है, भले ही इसमें दो दिन लगे। हमने उठाए गए हर बिंदु का जवाब देने का भी भरोसा दिलाया था क्योंकि विरोध प्रदर्शन के कई पहलू हैं, लेकिन दुर्भाग्य से कांग्रेस भाग गई। इसी तरह की बात दोहराते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, ष्सरकार और स्पीकर कई दिनों से कह रहे हैं कि वे चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन विपक्ष ऐसा नहीं चाहता। वह सिर्फ हंगामा करना चाहता है। उन्हें जवाब नहीं चाहिए। विपक्ष अराजकता चाहता है, याचिकाओं पर हस्ताक्षर करना चाहता है, गरीबों के लिए बना पैसा लेना चाहता है, और उन्हें कोई शर्म नहीं है। राहुल गांधी पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, यह तो (जेएमएम के नेतृत्व वाली) झारखंड सरकार से समर्थन वापस लें, हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से हटाएं, या विपक्ष के नेता (लोकसभा में) के पद से इस्तीफा दें। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने आरोप लगाया।

तेलंगाना सरकार बड़े पैमाने पर खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 आयोजित करेगी

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार प्रतिष्ठित श्खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026श का आयोजन बड़े पैमाने पर करेगी। मुख्यमंत्री ने एमसी आरएचआरडी कैंपस में स्थित बोधि पवेलियन में खेल मंत्री वाकिती श्रीहरी और वरिष्ठ अध् िाकारियों के साथ खेलों के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करने का निर्देश दिया, जिसमें विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। म्ततवत सवंकपदह ं के. अधिकारियों को हैदराबाद के स्टेडियमों की मौजूदा स्थिति का आकलन करने और

खेल आयोजनों की जरूरतों के हिसाब से उन्हें स्थायी रूप से अपग्रेड करने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया गया। यह दोहराते हुए कि सरकार पर्याप्त फंड देने के लिए तैयार है, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को उद्घाटन और समापन समारोहों में मुख्य अतिथियों, मशहूर खिलाड़ियों और फिल्मी हस्तियों को शामिल करने के लिए तुरंत तैयारी शुरू करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर, इवेंट मैनेजमेंट और मेहमानों की सुविधाओं से जुड़ी खास जिम्मेदारियां अधिकारियों को सौंपने की जरूरत पर जोर दिया। समीक्षा बैठक में तेलंगाना के अर्जुन अवार्डी खिलाड़ियों, तेलंगाना स्पोर्ट्स हब बोर्ड के सदस्यों, ओलंपिक एसोसिएशन और राष्ट्रीय स्तर के खेल प्रतिनिध् ियों की भूमिका और सक्रिय भागीदारी पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि इसके लिए योजनाएं काफी पहले तैयार कर ली जानी चाहिए।

इंदिरा नगर सेक्टर ए स्थित इलेवन 22 रेस्टोरेंट का डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने फीता काटकर किया उद्घाटन

(दीपक श्रीवास्तव
ब्यूरो चीफ लखनऊ)

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के लेखराज मेट्रो के पास इंदिरा नगर सेक्टर ए मे खान–पान के शौकीनों के लिए एक नया और आकर्षक ठिकाना बनकर सामने आया है। इलेवन 22 रेस्टोरेंट का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि यह रेस्टोरेंट आधुनिक सुविधाओं और बेहतरीन खान–पान से लैस है। कहा कि यह रेस्टोरेंट लड़की खोलने से आसपास रहने वाले लोगों के लिए खासकर

परिवार, दोस्तों और खास मौकों पर स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेने वालों के लिए खास आकर्षण बनेगा। वही छोटी–मोटी पार्टियों भी हो सकती है।रेस्टोरेंट के मालिक ने इस मौके पर कहा कि इस रेस्टोरेंट की खासियत सिर्फ स्वादिष्ट भोजन ही नहीं, बल्कि फाइन डाइनिंग,फैमिली रेस्टोरेंट और कैफे तीनों का अनुभव एक ही छत के नीचे मिलेगा। यहां आने वाले ग्राहकों को स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ आरामदायक माहौल और परिवार के साथ बैठकर भोजन करने की सुविधा भी मिलेगी। कहा कि मिठाइयों और लजीज व्यंजनों का स्वाद मिलेगा। कहा कि इस रेस्टोरेंट में में स्वाद के शौकीनों के लिए विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के साथ मिठाइयों का भी स्वाद उपलब्ध है। स्वादिष्ट भोजन, ताजे और आकर्षक प्रस्तुति इसे खास बनाती है। परिवार के साथ भोजन हो, दोस्तों के साथ मुलाकात हो या किसी खास अवसर का जश्न हर मौके के लिए यहां एक बेहतर विकल्प मिल सकता है।

संपादकीय

मंजूरियां वैध बनी रहेंगी

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का व्यावहारिक अर्थ है कि बिना पर्यावरण मंजूरी लिए शुरू की गईं परियोजनाओं को बाद में हरी झंडी देने का आम रास्ता बंद किया गया है, लेकिन अनेक गलियां खुली रखी गई हैं। बिना पूर्व पर्यावरण मंजूरी के शुरू कर दी परियोजनाओं को बाद में हरी झंडी देने के लिए 2021 में जारी ऑफिस मेमोरेंडम को रद्द करने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऊपर से केंद्र और कॉरपोरेट सेक्टर के लिए भले बड़ा झटका मालूम पड़े, लेकिन असल में न्यायालय ने बीच का रास्ता निकाला है। इससे सिर्फ यह होगा कि ऐसी परियोजनाओं को सामान्य आदेश के तहत पोस्ट फैक्टो मंजूरी नहीं मिलेगी, लेकिन केंद्र हर परियोजना को अलग आदेश के जरिए मंजूरी दे सकेगा। केंद्र ने 2021 में 2017 की अधिसूचना को निष्प्रभावी बनाने के लिए ऑफिस मेमोरेंडम जारी किया था। 2017 की अधिसूचना के तहत पोस्ट फैक्टो (परियोजना शुरू होने के बाद) मंजूरी पर रोक लगी हुई थी। अब कोर्ट ने फैसला दिया है कि 2021 के ऑफिस मेमोरेंडम के जरिए भविष्य में पोस्ट फैक्टो मंजूरियां नहीं दी जा सकेंगी, लेकिन अब तक दी जा चुकीं मंजूरियां वैध बनी रहेंगी। इस तरह लगभग 20,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को पर्यावरण संरक्षण संबंधी शर्तों से मुक्त कर दिया है। भविष्य के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि सरकार चाहे तो वैधानिक अधिसूचना या माफी (एमनेस्टी) योजना के जरिए असाधारण मामलों में पोस्ट–फैक्टो मंजूरी दे सकेगी। कोर्ट कहा है कि असाधारण या सार्वजनिक हित में पोस्ट फैक्टो मंजूरी देना हो, तो पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम–1986 की धारा 3 के तहत विधिवत अधिसूचनाध् संशोधन जारी करना अनिवार्य होगा। यानी इस माध्यम से मंजूरी का रास्ता खुला रखा गया है। तीन जजों की बेंच ने यह व्यवस्था भी दी कि सुप्रीम कोर्ट का संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत विशेष परिस्थितियों में पोस्ट–फैक्टो मंजूरी देने का असाधारण अधिकार सुरक्षित रहेगा। तो इस फैसले का व्यावहारिक अर्थ है कि बिना पर्यावरण मंजूरी लिए शुरू कर दी गई परियोजनाओं को बाद में हरी झंडी देने का आम रास्ता बंद किया गया है, लेकिन अनेक गलियां या पगडंडियां खुली रखी गई हैं। 2021 के ऑफिस मेमोरेंडम को पर्यावरण संरक्षण पर कॉरपोरेट हितों को तहजीह देने के सरकारी नजरिए का उदाहरण माना गया था। इस नजरिए को आगे बढ़ने के लिए केंद्र के पास आगे भी पर्याप्त अवसर बने रहेंगे।

भारत में कॉकरोचों का ज्वालामुखी फूट पड़ा

हरिशंकर व्यास

नरेंद्र मोदी को समय विशेष ने भारत का प्रधानमंत्री बनाया था। अब समय ही जुलाई 2026 में बता रहा है कि उनकी एक्सपायरी के साथ संघ परिवार और हिंदू राजनीति का भी तिया–पांचा नत्थी है! कैसे? बुनियादी बात यह है कि मोदी राज ने हिंदुओं के चाल, चेहरे और चरित्र का वह खुलासा देश (अर्थात भारत की मिलेनियल, जेन–जेड और अल्फा पीढ़ी) तथा दुनिया (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन से लेकर आसियान और पड़ोसी देशों तक) के सामने ला दिया है। इसका लब्बोलुआब है कि उसकी श्चालय देश को पराश्रित और बिकाऊ बाजार बनाने की है, उसका श्चेहराय मनुष्य को कॉकरोच मानने वाला है और उसका श्चरित्रय नैतिकताविहीन भय, भूख और भक्ति पर टिका है। तभी हिंदुओं की मौजूदा युवा पीढ़ी और अगली पीढ़ी के बीच कथित चाल, चेहरा और चरित्र मजाक, मखौल और घृणा का विषय है। जरा मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर से जुलाई 2026 तक की घटनाओं पर गौर करें। क्या एक भी ऐसी घटना हुई, जिससे प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की जैविक वाहवाही हुई? सरकार ने शक्ति और जीत का जैसा जो नैरेटिव बनाया, उस पर देश–दुनिया की प्रतिक्रिया क्या थी? मोदी–शाह भले इस गलतफहमी में रहे हों कि भक्त झूम रहे हैं। 2024 के आम चुनाव में अप्रत्याशित झटके के बाद उन्होंने हरियाणा, महाराष्ट्र, बिहार, बंगाल, असम जीत लिए। भक्तों ने नगाड़ा भी बजाया। पर जितना बजाया, उससे अधिक साख बिगड़ी। हिंदू राजनीति का चाल, चेहरा और चरित्र लुढ़का। सोचें, ऑपरेशन सिंदूर के बाद विश्व राजनीति में भारत का जलवा बना या पाकिस्तान का? वैसे ही भारत में मोदी, भाजपा और संघ की हर जीत, चुनाव आयोग, संसदीय कार्यवाही, सुप्रीम कोर्ट आदि हर संस्था की साख का भट्ठा बैठाने वाली थी। क्या है चुनाव आयोग की अब साख? भारत के चीफ जस्टिस ने 15 मई 2026 को एक ही तो शब्द बोला था। पर भारत में कॉकरोचों का ज्वालामुखी फूट पड़ा। यह ज्वालामुखी न शांत होना है और न खत्म। पहली बात, 35 वर्ष से नीचे की उम्र के नौजवानों की संख्या कुल आबादी में आज कोई 65 प्रतिशत है। इसमें भी 15 से 29 वर्ष की पीढ़ी (जनरेशन–जेड) कोई 37 करोड़ है। इसी में फिर आगे जुड़ने वाले 15 साल से कम उम्र के बच्चों की करोड़ों की वह संख्या है जो 2029 और 2034 के आम चुनावों में वोट देगी। ये स्कूली बच्चे भी कॉकरोच आंदोलन की हवा के मीम्स की अफीम का मजा लेते हुए है। क्या इन्हें नरेंद्र मोदी अपनी रील्स बनाकर नौकरियों की हवा बनाएगे? अच्छे दिन, पैसा बांटने, नौकरियों के प्रमाणपत्रों की झांकियों, राष्ट्रवाद और भक्तिवाद से नई और भावी पीढ़ी में जितने भ्रम बनाए थे, उनकी पूर्ति मोदी रील्स से कतई पूरी नहीं होगी? सो, मोदी–शाह और संघ ने जो कांटे बोए, जितनी तरह के झूठ बोले, उन्हीं से घर–घर ठगी का रोना है। मोदी का चेहरा अकेला सरकार, संघ परिवार की पूंजी था। मोदी ने स्वयं घर–घर मोदी, हर–हर मोदी बनाया था। वही चेहरा चेहरा अब नौजवानों का मीम है, गुस्से और गालियों का केंद्र है। मजाक, मखौल और गालियों की खान बना हैं। दूसरा कोई भी चेहरा भाजपा और संघ और स्वंय मोदी के पास नहीं है, जिसे आगे कर जिसकी सच्चाई, जिसके प्रति विश्वास से युवाओं के गले बात उतारी जा सके। न ही सरकार की किसी संस्था की धमक है और न मान। कॉकरोच भीड़ की निगाह में मोदी सरकार की हर संस्था, लोकतंत्र का खंभा अब भरोसा लायक नहीं है। सोचें, कॉकरोच, सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके पर। कल तक अनाम और जीरो। अचानक नौजवानों के दिल–दिमाग पर छाए, इनके बहाने ज्वालामुखी फूटा। पर बेचारे वांगचुक ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के हाथ से जूस पीया नहीं कि नौजवानों ने उनसे नाता तोड़ डाला। भाजपाई चेहरे जैसे अछूत हों! फिर संसद बैठी, तो लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण के दौरान स्पीकर पद पर बैठे ओम बिरला का चेहरा देखा तो कॉकरोच के साथ घर–घर सोचा यह कैसा स्पीकर है। सो, मां भारती के नाम पर संघ परिवार और भाजपाई हिंदू संस्कृति का हवाला देते हुए बुजुर्गों के सम्मान, प्रधानमंत्री की गरिमा के नाम पर नरेंद्र मोदी के मखौल को कितना ही असंस्कारी घोषित करें, लेकिन यह नया असंस्कारी भारत मोदी, संघ परिवार की ही बदौलत है। मां भारती के नाम पर झूठ बोलकर धोखा देने, राजनीति को अनैतिकताओं का कोठा बनाने, नेताओं को खरीदने–बेचने, डराने–धमकाने, किसी को पप्पू बताने, किसी को देशद्रोही, खालिस्तानी या टुकड़े–टुकड़े गैंग घोषित कर देने की नंगई ने ही युवाओं, बच्चों को जैसे को तैसी भाषा दी है। कल तक सोशल मीडिया, टीवी चौनल मोदी की ताकत है। वही सोशल मीडिया अब उनका पानीपत मैदान है। हिंदुओं की त्रासदी और मोदी व हिंदू राजनीति की एक्सपायरी है।

अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का समाधान

योगेंद्र

देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाए कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यवहारिक धरातल पर नहीं बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों मे संशोधन किया जा रहा, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कूननों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटनाकृदुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे। संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुर्माना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार के बनाए पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व मे आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं। राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेशध्कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग–अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है। पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई। इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कारकृहत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिन्दा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर बल्कि कम तक नहीं हो सका। आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए। आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की

जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सड़क पर गडढा होने से यदि कोई सड़क दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यवसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हों या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती। इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की ज्मिमेदारी तय नहीं की गई। ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराएं जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हे जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी। अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके। यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झौंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। देश में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच आम नागरिकों तक बढ़ानी होगी। इसकी कमी से हर साल बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, अस्पताल के अभाव जैसे मुद्दों पर धरने, प्रदर्शन, आंदोलन होते हैं, किन्तु इनका स्थायी समाधान नहीं होता। सरकारों की हालत श्खेत खाए गदहा और मार खाए जुलहाश जैसी है। जब तक सरकारें और जिम्मेदार अफसर अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे। ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बेशक कितने भी नए कानून बन जाएं।

उपभोक्तावादी विनाश से आदिवासी आर्थिकी ही बचाएगी

रणेन्द्र

अर्थशास्त्र कथित मुख्यधारा ने जनजातीय राजवंशों का राजपूतीकरण किया तो जनजातीय देवी–देवताओं का ब्राह्मणीकरण। देउड़ी ग्राम के मुण्डाओं की ग्राम–देवी रांची, तमाड़ की देउड़घी

देवी को ब्राह्मणवादी संरचना में सम्मिलित करने का प्रयास सामने चल रहा है। पुरी के जगन्नाथ भगवान (मूलतरू शबर आदिवासियों के देवता), कामरूप की कामाख्या (खासी समुदाय की देवी), तिरूपति आदि ब्राह्मण देव–श्रेणियों में शामिल किये गए। मेरा अध्ययन, पठन–पाठन–लेखन और जीवन का बहुलांश आदिवासी–जनजातीय समाज से जुड़ा है और मैंने पाया है कि गैर–जनजातीय समाज के साथ–साथ अकादमिक जगत के बड़े हिस्से का इस समाज के प्रति नजरिया पूर्वाग्रहों से भरा है। तमाम आदिवासी समुदायों को एकरूप मानते हुए उन्हें प्रिमिटिव या आदिम (और मन–ही–मन जंगली या असभ्य) मान लिया जाता है। जिक्र उठते ही उनकी आंखों के आगे अतीत में कभी बंदर खाने वाले शबिरहोरश या अंडमान के जंगलों में नग्न विचरने वाले श्जारवाश लोगों की तस्वीरें कौंध उठती हैं, साथ ही थोड़ी सनसनी, थोड़ी गुदगुदी का भाव भी। एंथ्रोपोलॉजी की पुस्तकों में वर्णित सौ–डेढ़ सौ साल पुरानी तस्वीरें और पॉपुलर मीडिया उनके पूर्वाग्रहों को पुष्ट करते चलते हैं। खेदजनक यह भी है कि अपने पूर्वाग्रहों के कारण या – सरकारी दस्तावेज ही इतिहास लेखन का एकमात्र स्रोत हैं – जैसे सिद्धांतों पर अमल करने के कारण आदिवासी समुदायों का ब्रिटिश–पूर्व इतिहास लिखा ही नहीं गया। मानो वे इतिहासविहीन समुदाय हों। ब्रिटिशकालीन इतिहास लेखन में भी केवल 1767 से 1947 तक के आदिवासी श्उलगुलानोंश की क्रांतियों पर बल देते हुए ऐसी अवधारणा बना दी गई कि मानो ये दिन–रात लड़ने–झगड़ने, रक्तपात करने वाले लोग हों।एक और महत्वपूर्ण तथ्य जिस पर (देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय और उनके ग्रंथ श्लोकायतश को छोड़कर) अकादमिक जगत का ध्यान नहीं गया, वह यह है कि इस पूरे भू–भाग में ईसा–पूर्व काल से ही दो मॉडल थेरू पहला,जनजातीय संघों का समतामूलक मॉडल और दूसरा, मगध के नेतृत्व में खड़े हुए साम्राज्य का ब्राह्मणवादी, जन्म आधारित भेदभाववादी मॉडल। अजातशत्रु के षड्यंत्रों के कारण जनजातीय समतामूलक संघों के शबज्जी महासंघश की पराजय को हम प्रथम मॉडल के लिए बड़ा धक्के के तौर पर देख सकते हैं। उसके बाद कौटिल्य के अर्थशास्त्र के उद्धरणों में कौटिल्य मगधा–साम्राज्य के विस्तार में सबसे बड़ी बाधा जनजातीय संघ को मानते हैं, जिन्हें विखंडित कर दस–दस की संख्या में सुदूर बसाने, कृषि कर्म करवाने तथा पुनरू संगठित न होने देने का उनका संकल्प सामने आता है। गुप्तकाल में ब्राह्मणों को जनजातीय शासकों के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर किए गए श्ग्रामदानोंश ने भी ब्राह्मणवादी सामाजिक–सांस्कृतिक संरचना के अबाध प्रसार में महती भूमिका निभाई।आश्चर्य यह है कि गुप्तकाल से आज तक संगठित धर्मों के सांस्कृतिक साम्राज्यवादी कुविचार यह मानकर चल रहे हैं कि आदिवासी समाज एक धर्म–विहीन समाज है और उसे अपने धर्म की परिधि में लाना उनका परम कर्तव्य है। यह पुण्य प्रतापी कार्य सात समुद्र पार की सांस्कृतिक साम्राज्यवादी ताकतों के साथ–साथ स्वदेशी साम्राज्यवादी भी समभाव से किये जा रहे हैं। जिस समुदाय के धार्मिक चिंतन–दर्शन में समस्त जीव–जगत गोत्र के रूप में और वनस्पति–नदियां–पहाड़ पूज्य देवता के रूप में सम्मिलित हो, जहां कृषि कार्य में सहयोगी पशुओं को घर के प्रिय सदस्य के रूप में आदर प्राप्त हो, उसे धर्मदर्शनविहीन मानना कथित मुख्यधारा की बौद्धिक शून्यता नहीं तो और क्या है?प्रकृति पर विजय से प्रारंभ हुई औद्योगिक क्रांति की लहर आज कथित चौथी औद्योगिक क्रांति तक पहुंच गई है। हमारा क्रय और उपभोग ही अर्थव्यवस्थाओं के विकास–मंदी के ग्राफ निर्धारित कर रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य प्रकृति के सनक भरे दोहन और हमारी भोग की मूल प्रवृत्ति के उद्दीपन पर निर्भर कर दिया गया है, जो हमें तेजी से संपूर्ण प्रकृति–धरती के विनाश की ओर ले जा रही है। ऐसे संकटमय समय में कोई क्योंकि श्आदिवासी आर्थिकीश की चर्चा नहीं करना चाहता, जो–श्प्रकृति से उतना भर लें, जितना हमारी आवश्यकता हैश–जैसे सिद्धांतों पर आधारित हैं? जबकि सारी पूर्वी सभ्यताएं मूलतरू इसी संतोष और संयम पर आधारित रही हैं। कथित मुख्यधारा ने जनजातीय राजवंशों का राजपूतीकरण किया तो जनजातीय देवी–देवताओं का ब्राह्मणीकरण। देउड़ी ग्राम के मुण्डाओं की ग्राम–देवी रांची, तमाड़ की देउड़घी देवी को ब्राह्मणवादी संरचना में सम्मिलित करने का प्रयास सामने चल रहा है। पुरी के जगन्नाथ भगवान (मूलतरू शबर आदिवासियों के देवता), कामरूप की कामाख्या (खासी समुदाय की देवी), तिरूपति आदि ब्राह्मण देव–श्रेणियों में शामिल किये गए। यानी शंकर, गणेश, कार्तिकेय, हनुमान से लेकर तिरूपति तक आदिवासी देवी–देवता हमारे हुए पर आदिवासी समुदाय नहीं। कोशिश हो कि आदिवासी समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह–दुराग्रह और एकांगी अवधारणा–दृष्टि बदलें, टूटे। जनजातीय राजवंशों पर शोध होय जनजातीय धर्म, दर्शन भी दर्शनशास्त्र के अनुशासन चिंतन–लेखन का हिस्सा बनेंय वैकल्पिक आर्थिकी के तौर पर श्आदिवासी आर्थिकीश पर विमर्श शुरू हो, ताकि आत्ममुग्ध गैर–आदिवासी समाज के माथे से अनावश्यक श्रेष्ठता–बोध का वजन कुछ हल्का हो।

कभी–कभी एक शब्द भी गजब ढाता है

शंकर शरण

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने दिया था। उन के शब्दों ने हिटलर के सामने पस्त हो रहे इंग्लैंड को बल दिया। इस हद तक कि कई यूरोपीय देशों को टिके रह कर लड़ने का हौसला मिला।ज. चर्चिल ने अंग्रेजी भाषा को बुलाया और उसे युद्धभूमि में उतार दिया। आज कम लोग याद करते हैं कि चर्चिल को 1953 में साहित्य का नोबल पुरस्कार मिला था कृ इतिहास और साहित्यिक लेखन, तथा उदात्त मानवीय मूल्यों की रक्षा में अद्भुत वक्तृता के लिए।ज् कला के किसी अन्य माध्यम में इतने शक्ति–संचय और प्रभाव की संभावना नहीं है। देखें तो एक शब्द कृ श्कॉकरोचय कृ ने निवर्तमान शिक्षा मंत्री के पद की बलि ले ली। चाहे इस से उन का संबंध नहीं था। पर सामाजिक क्षेत्र में प्रयोग होकर वह शब्द तीखा बन गया था। उस का जन्म हिकारत और घमंड की भावना से हुआ था। इसलिए श्पार्टीय रूप में शरीर पाकर एक कोरे शब्द ने शक्ति रूप धारण कर लिया। वह बलि माँगने लगा, और परिस्थितिवश उस के सामने शिक्षा मंत्री पड़ गये! फिर उस ने कुछ ही दिनों में उन्हें अपदस्थ कर डाला। उस सरकार को हिला दिया जिसे बारह साल से कोई दल या नेता झुकाने में विफल रहा था। पर चार दिन पहले बनी कॉकरोच जनता पार्टी, जो कहीं औपचारिक दर्ज भी नहीं, ने सीधी झड़प में उसे झुकाया। यदि श्कॉकरोचय शब्द उस सामाजिक अर्थ में उच्चरित होकर अवतरित न हुआ होता, तो क्या भारतीय राजनीति में वह होता जो गत सप्ताह हुआ? कॉकरोच पार्टी बनाने से पहले अभिजीत दीपके एक साधारण छात्र था। वह वही बना रहता, यदि सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने 15 मई 2026 को इस शब्द का वैसा प्रयोग न किया होता। जिस का समाचार हजारों मील दूर दीपके ने सुनकर अपना क्षोभ व्यक्त करने के लिए उस नाम से एक व्यंग्यात्मक पार्टी बनाई। महज शाब्दिक! जैसे कॉकरोच नाम भर था, वैसे ही कॉकरोच पार्टी भी। एक एक्स (ट्विटर) मंच, जहाँ उस ने वैसे श्कॉकरोचोंय को इकट्ठा होने की अपील की। ऐसी गतिविधि सोशल मीडिया पर हजारों लोग करते रहते हैं। दुनिया भर में बड़े–बड़े सितारे, नेता, लेखक, पत्रकार ट्विटर पर कुछ न कुछ लिखते बोलते हैं और उन के लाखों फॉलोअर उसे लाइक करते हैं। उस से कुछ नहीं होता। पर इस सामाजिक शब्द, श्कॉकरोचय, का जिस रूप में जन्म हुआ उस में तीखा अर्थ भरा हुआ था। चीफ जस्टिस ने 15 मई को अपनी अदालत में किंचित वितृष्णा से कहा, कुछ युवक कॉकरोच की तरह होते हैं, जिन्हें कोई रोजगार नहीं मिलता और किसी भी पेशे में उनके लिए कोई स्थान नहीं होता। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं, और फिर वे हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं। उन की बात में सत्य का अंश था। कुछ लोग किसी बड़े व्यक्ति या संस्था को निशाना बनाकर सफल होने की तिकड़म करते ही रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दायर करना इस का एक साधन रहा है। परन्तु जिस तरह चीफ जस्टिस ने हल्के से वैसे लोगों को श्बेरोजगार युवकय कह दिया, वह बात एक तिक्त युवा समूह पर जाकर बैठ गई। यानी, उन भरे बैठे बेरोजगार युवकों पर जो कई तरह से योग्य होते हुए भी शासकों के भ्रष्टाचार, जातिवाद, आरक्षण, दलबंदी, स्थान की कमी, कुशिक्षा, आदि कारणों से बेकारी, और फलतरू उपेक्षा व कष्ट झेलते हैं। सो चीफ जस्टिस के उस शब्द की बराबर और विपरीत प्रतिक्रिया हुई। दूसरे दिन,16 मई को, दीपके ने उस शब्द से श्कॉकरोच जनता पार्टीय नाम से एक ट्विटर हैंडल बनाया। एक ही दिन में उस के उनतीस हजार फॉलोअर बन गये। चार दिन में उन की संख्या दो लाख हो गई। पाँचवें दिन सत्ताधारियों के दबाव से ट्विटर ने भारत में उस हैंडल को हटा दिया। छठे दिन, 22 मई को दीपके ने श्कॉकरोच इज बैकय नाम से नया हैंडल बनाकर श्कॉकरोचोंय द्वारा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा माँगने का अभियान आरंभ किया, क्योंकि कई परीक्षाओं के पर्चे लीक होने से देश भर के छात्रों को बार–बार परेशानी हो रही थी। इस अनायास आह्वान ने देश के युवाओं के क्षोभ को एक रास्ता और स्वर दे दिया। जो सत्ताधारियों की लापरवाही और गैर–जबावदेही से दुरूखी थे। उस दुरूख को श्कॉकरोचय बिल्ले के क्षोभ ने एक नैतिक धार दे दी। एक तो, उन्हें देश के सत्ताधारी वितृष्णा से देखते हैं कृ आखिर न्यायाधीश सरकार का तीसरा अंग हैं। दूसरे, पर्चे लीक एवं शैक्षिक तंत्र की लापरवाहियों के लिए कोई जिम्मेदार नहीं! प्रधानमंत्री आए–दिन कुछ कुछ बोलते रहते हैं, पर लाखों छात्रों के साथ हो रहे अन्याय पर चुप बने रहे हैं। फलतरू यह दोहरा आक्रोश जुड़ कर दीपके द्वारा 22 मई को एक ठोस माँग में परिणत हुआ। फिर उस ने 6 जून को जंतर–मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के लिए धरना शुरू किया। उस में जाने–माने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी आ जुड़े। फिर उन के समर्थन में बड़े लोग बयान देने लगे। इस प्रकार, शिक्षा तंत्र में लापरवाही की जिम्मेदारी के लिए मंत्री के इस्तीफे की माँग एक भौतिक शक्ति बन गई। उस ने अन्य शक्तियों को भी आकर्षित किया। इस तरह, 15 मई को श्कॉकरोचय शब्द के जन्म लेने, अगले दिन उस की प्रतिक्रिया में ट्विटर पर श्कॉकरोच पार्टीय बनने, वहीं 22 मई को श्कॉकरोचय द्वारा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की माँग का आरंभ, फिर 6 जून से जंतर–मंतर धरना, और अंततरू 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कृ यह सब मूलतरू उस एक शब्द के उच्चारण से बनी गति है। चीफ जस्टिस का कहा एक शब्द अनजाने पूरी सरकार पर भारी पड़ गया। यदि वह शब्द उस रूप में उच्चरित और अवतरित न हुआ होता, तो गत दो महीने की घटनाएं शायद ही घटी होती। यह संयोग भी था। परन्तु एक शब्द की शक्ति भी, जो कभी–कभी कैसा रूप दिखा सकती है! इस से पहले भारतीय राजनीति में एक शब्द का प्रभाव छब्बीस वर्ष पहले देखा गया था। जब भाजपा के उभरते नेता गोविंदाचार्य ने 1997 में अपने सर्वोच्च नेता वाजपेई के लिए श्मुखौटाय शब्द का प्रयोग किया था। यद्यपि उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा था। पर स्वयं भाजपा के बड़ों द्वारा उसे सत्य मानने से बात जमी रह गई। तब के हालात में वह शब्द सही लगता भी था। पर जल्द ही गोविंदाचार्य को भुगतना पड़ा। उन का राजनीतिक कैरियर ही खत्म हो गया। पहले उन्हें किनारे किया गया। फिर पार्टी में उन की कोई जगह न बन सकी। वरना, वे एक स्टार नेता थे। उन का व्यक्तित्व, वक्तृता, जाति, पार्टी, आयु, सब कुछ संभावनाओं से भरा था। पर उस एक शब्द प्रयोग ने उन को ग्रहण लगा दिया। सो, कभी–कभी एक शब्द भी गजब ढाता है! यह भाषा की रहस्यमय शक्ति है। यद्यपि वह अपने आप में दुर्बल है। जो चाहे इस का दुरुपयोग कर लेता है! इसीलिए कवि अज्ञेय ने भाषा को श्सभी कला माध्यमों में सबसे कमजोरय बताया था। जिसे आसानी से तोड़–मरोड़, भ्रष्ट किया जा सकता है! किसी साधारण या घटिया वस्तु, पर्चा, भाषण, नेता, आदि दृ को भी श्सर्वोत्तमय, श्शानदारय, श्महानय, श्ऋषिय, आदि कह कर धड़ल्ले से परोसा जाता है। सत्ता, धन, संगठन, प्रचार, आदि बल से लफ्फाजी रूप में भाषा का दुरुपयोग होता है। तब वह लोगों को दुष्प्रभावित कर सकती है। वैसी स्थिति में, ठगे जाते लोगों का तो क्या, भाषा अपना भी बचाव नहीं कर पाती! इस रूप में, संगीत, चित्र, आदि कला–माध्यमों की तुलना में भाषा कमजोर है।

पेट्रोल पंप पर सोलर प्लांट लगाने का झांसा देकर 50 लाख की साइबर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में पेट्रोल पंप और अन्य प्रतिष्ठानों पर सस्ते दाम में सोलर प्लांट लगाने का झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले आरोपी को साइबर क्राइम थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चार सिम कार्ड और दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ विभिन्न जनपदों में नौ मुकदमे दर्ज हैं, जबकि साइबर क्राइम पोर्टल पर छह से अधिक एनसीआरपी शिकायतें दर्ज

हैं। मामले का बुधवार को खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर एवं नोडल साइबर क्राइम आयुष श्रीवास्तव तथा क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम गोल्डी गुप्ता के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। साइबर क्राइम पोर्टल, समन्वय पोर्टल, प्रतिबिम्ब पोर्टल और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए जांच के बाद पुलिस ने साइबर क्राइम थाना में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 52/2026 से संबंधित अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सचिन शर्मा पुत्र राजनारायण निवासी आमी सराय सैफ खां, थाना पट्टी, जनपद प्रतापगढ़ के रूप में हुई है। आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि वह पेट्रोल पंप संचालकों और अन्य प्रतिष्ठानों की जानकारी जुटाकर फोन करता था। सस्ते दाम पर सोलर पैनल लगाने का झांसा देकर वाट्सएप के माध्यम से लूमिनस कंपनी के नाम से फर्जी एस्टिमेट भेजता था। इसके बाद कुल खर्च की करीब आधी रकम अलग-अलग किस्तों में एडवांस के रूप में मंगाकर ठगी करता था। रकम परिचितों के बैंक खातों में मंगाकर निकालने की बात भी सामने आई है। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने करीब 50 लाख रुपये से अधिक की साइबर ठगी किए जाने की बात स्वीकार की है। उसके खिलाफ सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, फतेहगढ़, प्रतापगढ़, लखनऊ, गोंडा और महोबा सहित कई जनपदों में धोखाधड़ी के मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

यू-डायस पर स्कूल चल रहे हैं, धरातल पर बंद हैं - सरकार हमारे स्कूलों की चोरी करना बंद करे - डॉ. अनुराग मिश्र

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आम आदमी पार्टी के पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉ. अनुराग मिश्र ने उत्तर प्रदेश में सरकारी विद्यालयों की जमीनी स्थिति को लेकर योगी सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन यू-डायस के रिकॉर्ड में विद्यालय संचालित दिखाई दे रहे हैं, जबकि धरातल पर कई विद्यालयों के संचालन को लेकर गंभीर सवाल सामने आ रहे हैं। डॉ. अनुराग मिश्र ने कहा, "योगी सरकार ऑनलाइन यू-डायस पर स्कूल चला रही है, लेकिन धरातल पर स्कूल बंद हैं। इनकी संख्या एक या दो नहीं, हजारों में है। हम एक-एक स्कूल खोजकर आपके सामने रखेंगे। हमारे स्कूलों की चोरी करना बंद करें।" उन्होंने कहा कि विकासखंड बक्सा, जौनपुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय चपरामऊ की जमीनी स्थिति भी इसी क्रम में जनता के सामने रखी जा रही है। सरकार को चाहिए कि यू-डायस के आंकड़ों और धरातल की वास्तविक स्थिति का पारदर्शी सत्यापन कराए तथा जहां भी अंतर मिले, वहां जिम्मेदारी तय करे। डॉ. मिश्र ने कहा कि अदम गोंडवी की पंक्तियां आज की व्यवस्था पर सटीक बैठती "तुम्हारी फाइलों में गाँव का मौसम गुलाबी है, मगर ये आँकड़े झूठे हैं, ये दावा किताबी है।"

उन्होंने कहा, "योगी आदित्यनाथ जी, आप स्कूलों को चाहे आसमान में छुपाकर रखें या पाताल में, किसी गुफा या सुरंग में,हम उसे खोज निकालेंगे। एक-एक स्कूल की हकीकत जनता के सामने रखेंगे।" डॉ. मिश्र ने कहा कि यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि बच्चों के भविष्य और उनके शिक्षा के अधिकार का सवाल है। सरकारी स्कूल कागजों और ऑनलाइन आंकड़ों में नहीं, बल्कि धरातल पर नियमित रूप से संचालित होने चाहिए। "हमारे स्कूलों की चोरी करना बंद करें बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करें।"

हर भारतीय का गौरव है हमारा तिरंगा – डॉ.अब्दुल कादिर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर-मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के सौदागर हाल में बुधवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत गृह विज्ञान विभाग द्वारा भव्य रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न टोलियों में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत अनेक आकर्षक एवं कलात्मक रंगोलियां बनाई। छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रंगोलियों के माध्यम से तिरंगे की आन-बान-शान, राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम का सुंदर संदेश प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता का निरीक्षण कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने किया और छात्राओं की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं देशभक्ति की भावना की सराहना की। इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा कि "तिरंगा केवल हमारे देश की पहचान नहीं, बल्कि हमारे गौरव, स्वाभिमान और एकता का प्रतीक है। देश को निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए हमें अपने तिरंगे को सदैव सबसे ऊंचा रखना होगा और राष्ट्रहित में पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ना होगा।" उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना, रचनात्मकता और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का आयोजन गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नगमा यास्मीन के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर शाहीन अंसारी एवं रोमा यादव ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में इंशा खान, प्रियंशी निषाद, आज्ञा यादव एवं श्रेजल यादव सहित अन्य छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सभी टोलियों को प्राचार्य द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सौदागर हाल देशभक्ति के उत्साह और तिरंगे के रंगों से सराबोर नजर आया। अंत में सभी ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देश की एकता-अखंडता और राष्ट्र की प्रगति के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।

क्षेत्रीय सचिव बनने पर प्रदीप पटेल का भव्य स्वागत, क्षेत्र में खुशी की लहर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। । महेवा गांव निवासी एवं अपना दल (एस) के सक्रिय कार्यकर्ता प्रदीप पटेल को वाराणसी पक्षिेत्र का क्षेत्रीय सचिव नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। नियुक्ति की जानकारी मिलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों, शुभचिंतकों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने फोन व सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समर्थकों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव की बात बताते हुए संगठन को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई। नवनियुक्त क्षेत्रीय सचिव प्रदीप पटेल ने पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। संगठन की नीतियों एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से सौंपी गई प्रत्येक जिम्मेदारी का पूरी लगन और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। वाराणसी पक्षिेत्र में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और जनसंपर्क कार्यक्रमों को गति देने के लिए सक्रिय रूप से कार्य किया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि प्रदीप पटेल की नियुक्ति से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और क्षेत्र में पार्टी और अधिक मजबूत होगी। इस अवसर पर मड़ियाहूं विधायक डॉ. आरके पटेल, रिंकू पटेल, रमेश मौर्य, बबलू पांडेय, संजीव श्रीवास्तव, शैलेंद्र सिंह, लल्लन पटेल सहित अन्य लोगों ने प्रदीप पटेल को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

200 गुमशुदा मोबाइल बरामद, मालिकों को सौंपे, अब तक 1941 फोन खोज चुकी पुलिस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में पुलिस लाइन सभागार में बुधवार को एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने 200 गुमशुदा मोबाइल फोन उनके स्वामियों को सौंपे। साइबर क्राइम थाना और विभिन्न थानों की साइबर सेल टीम ने ब्म्प् पोर्टल के माध्यम से इन मोबाइलों को बरामद किया। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 45 लाख रुपये बताई गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह और एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि ब्म्प् पोर्टल पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों के आधार पर साइबर क्राइम थाना जौनपुर की टीम ने मोबाइलों को ट्रेस किया। ये मोबाइल जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के अलावा उत्तर प्रदेश के आजमगढ़, वाराणसी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, बलिया, प्रतापगढ़ और भदोही से बरामद किए गए। वहीं दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार और राजस्थान से भी कुछ मोबाइल बरामद हुए हैं। बरामद मोबाइलों में वनप्लस, वीवो, रेडमी, ओप्पो, रियलमी, टेक्नो, पोको, नोकिया और सैमसंग समेत कई कंपनियों के फोन शामिल हैं। पुलिस के अनुसार अब तक कुल 1941 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ 90 लाख रुपये है। एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने मोबाइल स्वामियों को फोन सौंपते हुए अपील की कि मोबाइल गुम होने पर तत्काल संबंधित थाने में गुमशुदगी दर्ज कराएं और पोर्टल पर शिकायत करें। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूकता और सतर्कता बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध का शिकार होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करें या बलइमतबतपउम.हवअ.पद पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं। इसके अलावा नजदीकी थाने की साइबर हेल्पडेस्क पर भी लिखित शिकायत दी जा सकती है।

शारदीय नवरात्र से पहले पक्का होगा विसर्जन शक्ति कुंड, मंत्री ने दिया आश्वासन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को अध्यक्ष मनीष देव मंगल के नेतृत्व में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री एवं नगर विधायक गिरीश चंद्र यादव से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने गोमती नदी के तट के समीप स्थित मां दुर्गा प्रतिमाओं के कच्चे विसर्जन शक्ति कुंड को पक्का एवं भव्य स्वरूप दिए जाने की मांग को लेकर मंत्री को

ज्ञापन सौंपा। महासमिति की साधारण सभा की बैठक में विसर्जन शक्ति कुंड के पक्के निर्माण का निर्णय लिया गया था। इसी क्रम में प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से मुलाकात कर कुंड के निर्माण को शीघ्र पूरा कराने का अनुरोध किया। मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि उन्होंने जो वादा किया है,

उसे जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन और नगर पालिका के अधिकारियों के साथ महासमिति के प्रतिनिधिमंडल की आवश्यक बैठक आयोजित कर गोमती तट पर बने कच्चे विसर्जन कुंड को पक्का एवं सुंदर स्वरूप दिया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निर्माण कार्य शारदीय नवरात्र से पूर्व पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि कुंड के निर्माण में श्री दुर्गा पूजा महासमिति के सुझावों को भी ध्यान में रखा जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुरूप भव्य एवं दिव्य विसर्जन कुंड का निर्माण हो सके। इस अवसर पर महासमिति के विशिष्ट सदस्य विनोद यादव, महासचिव मनीष गुप्ता, उपाध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव, राम प्रकाश यादव, राजन अग्रहरि, शैलेंद्र मिश्रा, विजय गुप्ता, अमित गुप्ता, विष्णु गुप्ता, सर्वेश यादव, ज्ञानेंद्र दुबे, अभिषेक अग्रहरि सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। उक्त जानकारी महासमिति के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव ने दिया।

दूध की गुणवत्ता पर खाद्य विभाग का विशेष अभियान, नौ नमूने लिए, दोहरा व कटी सुपारी नष्ट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आमजन को शुद्ध दूध एवं दुग्ध पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने 10 और 11 अगस्त को विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। जिलाधिकारी के निर्देश एवं आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश लखनऊ के प्राप्त आदेश के क्रम में चलाए गए अभियान में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से दूध के नौ नमूने संग्रहित किए गए। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय डॉ. मंजुला सिंह ने बताया कि मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार जायसवाल के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने खेतासराय, शाहगंज, खुटहन, मुफ्तीगंज, जलालपुर, मड़ियाहूं, केराकत, कजगांव रोड सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की। नैना डेयरी खेतासराय से गाय के दूध, खुटहन रोड शाहगंज से फेरी विक्रेता के गाय के दूध, मुफ्तीगंज से मिश्रित दूध, यादव डेयरी जलालपुर से भैंस के दूध, कान्हा दुग्ध डेयरी से भैंस के दूध, आस्था डेयरी से गाय के दूध तथा मड़ियाहूं रोड, खरका तिराहा और माधव पट्टी कजगांव रोड से गाय व मिश्रित दूध के नमूने लिए गए। वहीं प्राप्त सूचना के आधार पर शिवगुलामगंज बाजार स्थित विकास अग्रहरि पुत्र विनय अग्रहरि के प्रतिष्ठान पर खाद्य विभाग की टीम ने आकस्मिक छापेमारी की। टीम ने दोहरा के दो और कटी सुपारी का एक नमूना संग्रहित किया। मौके पर करीब 40 किलोग्राम दोहरा, जिसकी अनुमानित कीमत 22 हजार रुपये, तथा 30 किलोग्राम कटी सुपारी, जिसकी अनुमानित कीमत 15 हजार रुपये बताई गई, नष्ट कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि सभी नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 तथा संबंधित विनियमावली-2011 के तहत नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

हर बूथ पर कांग्रेस का मजबूत संगठन तैयार किया जाएगा – सीपी मित्तल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी सीपी मित्तल ने नगर के एक होटल में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में पार्टी को मजबूत करने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और सक्रियता से जुट जाए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीपी मित्तल ने कहा कि कांग्रेस ने हर बूथ को मजबूत करने का संकल्प लिया है। जिला, शहर और ब्लॉक कमेटियों में सक्रिय पदाधिकारियों को उचित जिम्मेदारी और पूरा सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवसरवादी ताकतों को सत्ता से बेदखल करने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी युवाओं, किसानों, महिलाओं और मजदूरों के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। जनता कांग्रेस की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह और शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। पूर्व जिलाध्यक्ष फैसल हसन तबरेज और पूर्व शहर अध्यक्ष हुकुम सिंह ने कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया। इस मौके पर महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रेखा सिंह, डॉ. संतोष गिरी, विनय तिवारी, आरसी पांडेय, अनिल दूबे आजाद, राकेश सिंह डब्बू, देवराज पांडेय, राम सिंह बांकुरे, विजय प्रजापति, शिव मिश्रा, ओबीसी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष संजय माली, ओमकार यादव, अनिल सोनकर और शैलेंद्र यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने किया।

नशे को नहीं, नए सपनों को चुने - शिवेंद्र प्रताप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में क्षेत्रीय निदेशालय, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विकसित भारत युवा कनेक्ट के अंतर्गत "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत" कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम कुलपति प्रो. वंदना सिंह के संरक्षकत्व में रज्जू भैया संस्थान स्थित आर्यभट्ट सभागार में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि शिवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि "भारत की युवा शक्ति ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है। नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार कर सकते हैं।" उन्होंने कहा कि नशे की लत युवाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, मानसिक क्षमता, परिवार एवं सामाजिक जीवन पर गंभीर प्रभाव डालती है। युवाओं को नशे से दूर रहने, साथियों के दबाव का विरोध करने तथा नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को अपमानित करने के बजाय उपचार एवं परामर्श के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि "नशे को नहींकृनए सपनों को चुनें, निष्क्रियता को नहींकृनए भारत को चुनें।" कार्यक्रम में विकसित भारत /2047 के विजन पर भी चर्चा हुई। आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया, आधारभूत संरचना, सतत विकास, महिला नेतृत्व वाला विकास, विनिर्माण एवं डैडम, अंतरिक्ष एवं नवाचार, रक्षा आत्मनिर्भरता तथा भारत की वैश्विक भूमिका जैसे विषयों पर युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया गया। त्रिलोकीनाथ गुप्ता ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ, सकारात्मक एवं रचनात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर ऑफलाइन एवं ऑनलाइन नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के अंत में तिरंगा यात्रा का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन यूथ वालंटियर श्री अभिनव कीर्ति पांडेय ने किया तथा समन्वय डॉ. शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय, एनसीसी प्रभारी, डॉ. प्रदीप कुमार यादव, सुमित सिंह, अर्पिता यादव, सिद्धार्थ सिंह, शिवम गुप्ता, उदय प्रताप सिंह, हर्ष चतुर्वेदी, यश एवं सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को नशामुक्त भारत प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए।

तिरंगे के सम्मान की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है - गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में स्वतंत्रता दिवस के पूर्व भारतीय जनता पार्टी के नगर दक्षिणी की ओर से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। नगर अध्यक्ष डॉ. कमलेश कुमार निषाद के नेतृत्व में निकली यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष, व्यापारी, विद्यार्थी और आमजन शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर लोगों ने भारत माता की जय और अमर शहीदों के जयकारे लगाए। यात्रा का शुभारंभ मां भारती की प्रतिमा की आरती के साथ हुआ। पॉलिटेक्निक चौराहे से शुरू होकर यात्रा रूहट्टा, ओलंदगंज, सद्भावना तिराहा और जोगियापुर होते हुए कलेक्ट्रेट तिराहा स्थित शहीद स्तंभ पर पहुंचकर समाप्त हुई। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने तिरंगा यात्रा और शहीदों की झांकियों पर पुष्पवर्षा कर राष्ट्र के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। मुख्य अतिथि खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान है। इसके सम्मान की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। देश की स्वतंत्रता के लिए हजारों लोगों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। तिरंगा यात्रा के माध्यम से उन शहीदों के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। विधानसभा प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसी यात्राएं वर्षभर आयोजित होनी चाहिए, ताकि नई पीढ़ी को आजादी के महत्व और शहीदों के बलिदान से परिचित कराया जा सके। यात्रा में भारत माता, महात्मा गांधी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस, वीर अब्दुल हमीद, वीर सावरकर, सरदार पटेल और डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित शहीदों की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। देशभक्ति गीतों के बीच लोग उत्साह से झूमते नजर आए। यात्रा से पूर्व 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा' अभियान के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों ने घरों और प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप, जिला महामंत्री अजय सिंह, संदीप तिवारी, जिला उपाध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, सुरेंद्र सिंघानिया, विकास शर्मा, सुधांशु सिंह, नीरज सिंह, राजेश कन्नौजिया, अभिषेक श्रीवास्तव,सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने उप निरीक्षक सोनी के साथ महिलाओ व बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरुक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।बुधवार को एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सिटी श्रीयेश त्रिपाठी की देखरेख मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे उप निरीक्षक सोनी ने मिशन शक्ति अभियान के तहत जिला व महिला चिकित्सालय के अलावा शहर के विभिन्न कॉलेज और चौराहों पर जागरुकता अभियान चलाया।उन्होंने कॉलेज तथा चौक सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर छात्राओं व महिलाओ को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरुक किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं व बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

डाक विभाग वॉटरप्रूफ लिफाफे में भाइयों तक पहुंचाएगा स्नेह का धागा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रक्षाबंधन का पर्व इस बार 28 अगस्त को मनाया जाएगा। डाक विभाग ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है स भाई–बहन के प्रेम का प्रतीक यह त्योहार देशभर में हर्षोल्लास से मनाया जाता है।बदलते समय में लोग नौकरी व अन्य कारणों से अपने घरों से दूर रहते हैं। जिससे कई बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने नहीं पहुंच पातीं।ऐसे में डाक विभाग ने उनके लिए बड़ी राहत दी है इस प्रेम के धागे को पहुंचाने के लिए वाटरप्रूफ लिफाफा उपलब्ध करवा रहा है।10 रू के लिफाफे से स्पीड पोस्ट एवं पार्सल के माध्यम से देश विदेश में बहनें की राखी सुरक्षित भाई तक पहुंचाएगा।रक्षाबन्धन भाई बहन के प्रेम का पर्व है बहनें अपने भाइयों को रक्षाबन्धन भेजकर जो मधुर प्रेम का एहसास करती है।इसीलिए डाक विभाग में रक्षाबंधन पर बहना को सुकन्या समृद्धि खाते का उपहार देने की अपील करते हुए अयोध्या मण्डल के अधीक्षक डाकघर मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इस रक्षाबंधन के पर्व पर सभी भाई अपनी बहन के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें सुकन्या समृद्धि खाता का उपहार भेंट करें।साथ ही श्री श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि बहन की राखी स्नेह बारिश में तो भीग ही जाती है लेकिन डाक विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि बहन जो राखी अपने भाईयों को भेजेंगी उस बरसात का पानी असर नही करेगा।भाई दूर शहरों में रहता है तो बहने डाक विभाग से राखी भेजती है अक्सर लिफाफा कागज का और कमजोर होने के कारण फट जाता है कई बार बारिश के पानी से राखियां भीग जाने के कारण नष्ट भी हो जाता है लेकिन अब ऐसा नहीं होगा क्योंकि डाक विभाग वाटरप्रूफ आकर्षक रंगीन लिफाफा बहनों को मुहैया कराने के साथ साथ सरल एवं सुगम तरीके से तत्काल उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी करेगा।मण्डल कार्यालय में रक्षाबन्धन पर्व के अवसर एवं सुकन्या समृद्धि अभियान को गति देने के लिए अपने मातहतों के साथ बैठक भी किया इस दौरान अयोध्या मण्डल के अधीक्षक डाकघर ने बताया कि डाक विभाग के अनुसार, राखी और मिठाई भेजने के लिए बहनें स्पीड पोस्ट, और पार्सल सेवाओं का उपयोग कर सकती हैं। यह अयोध्या अकबरपुर प्रधान डाकघर सहित मण्डल के सभी उप डाकघरों में राखी का वाटरप्रूफ लिफाफा उपलब्ध करा दिया गया है।रक्षाबन्धन भाई बहन के प्रेम का पर्व है बहनें अपने भाइयों को रक्षाबन्धन भेजकर जो मधुर प्रेम का एहसास करती है सभी भाई इस राखी पर बहना को दें सुकन्या समृद्धि खाते का उपहार, मात्र 250 रुपये में खाता खुलवाकर अपनी बहन के भविष्य को सँवारने का अपील किया ।

आखिर कब जाम की मकड़ जाल से मुक्त होगी रामनगरी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।शहर के अधिकतर चौराहों तथा प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति घंटो बनी रहती है। पिछले दिनों पुलिस, यातायात पुलिस के साथ–साथ आरटीओ विभाग महज कागजों पर ही सड़क सुरक्षा सप्ताह तथा सड़क सुरक्षा माह के तहत कुछ गिने चुने स्कूलों में कार्यक्रम करके और कुछ वाहनों का चालान करके कागजी कार्यवाही पूरा कर लेते हैं।वहीं इस समय यातायात पुलिस द्वारा नो पार्किंग के साथ–साथ अन्य चौराहों पर खड़े दो पहिया तथा तीन पहिया के साथ–साथ चार पहिया वाहनों को भी उठाकर पुलिस लाइन ले जा रही है और महज 500 चालान के रूप में लेकर पुनः छोड़ दे रही है।यातायात पुलिस के बिना किसी डर के वाहन स्वामियों के बीच तू डाल–डाल में पात पात की स्थिति सी उत्पन्न सी हो गई है।मतलब की इस समय जहां एक ओर यातायात पुलिस एक दो वाहनों को उठाकर कागजी कार्यवाही कर ले रही है। वहीं उनसे दो कदम आगे वाहन स्वामी भी हैं। क्योंकि ये सभी वाहन स्वामी शहर के विभिन्न इलाकों चौराहों प्रमुख मार्गों पर अपने चौराहों मार्गों पर अपने जहां पर जाम लगना तो संभव ही है। शहर की चौक, रिकाबगंज, देवकाली तिराहा, गुदरी बाजार, नियावा, साहबगंज, बेनीगंज, देवकाली बाईपास, शांति चौक चौराहा, नाका बाईपास, रायबरेली रोड, सिविल लाइन, नाका, रायबरेली रोड, महिला अस्पताल के सामने सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर जहां बड़े–बड़े अस्पताल तो हैं लेकिन पार्किंग ना होने के चलते मजबूरी में मरीजों के परिजन अपने–अपने चार पहिया व दो पहिया वाहनों को सड़क पर ही खड़ी करते हैं।वही इस समय काम होने के चलते एकल मार्ग है।जिसके चलते चलते एकल मार्ग है। जिसके चलते भी अधिक जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके बावजूद वहां पर ना तो कोई यातायात सिपाही कमी दिखाई देता है ना ही पुलिस से संबंधित अन्य कर्मी। जिसके चलते इधर से गुजरने वाले दो पहिया वाहन चालक भी आए दिन चोटिल होते रहते हैं। इस गंभीर समस्या पर इधर से गुजरने वाले राहगीरों के अलावा स्थानीय लोगों में भी इससे संबंधित खासकर पुलि और यातायात विभाग के कर्मियों व अधिकारियों पर गुस्सा दिखाई पड़ रहा सिंह ने बताया कि यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा बीच–बीच में उनके खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया जाता है। यातायात पुलिस दावे तो लाख करे लेकिन उनका यह दावा खोखला साबित हो रहा है।

विधायक रानू सिंह की अगुवाई में निकली भव्य तिरंगा यात्रा'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली(हरदोई)' स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को पाली कस्बे में क्षेत्रीय विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू की अगुवाई में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ सैकड़ों लोग यात्रा में शामिल हुए। कस्बे में भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से माहौल देशभक्ति मय हो गया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ कस्बे के रामलीला चौराहे से हुआ। यात्रा राजकीय कन्या इंटर कॉलेज होते हुए मोहल्ला पटियानीम पहुंची। इसके बाद भारतीय इण्टर कॉलेज के पास से गुजरते हुए यात्रा मुख्य बाजार की ओर बढ़ी और पंथवारी देवी मंदिर पहुंची, जहां यात्रा का समापन किया गया। तिरंगा यात्रा में पाली कस्बे के साथ ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। नगर के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कॉलेज और पब्लिक शिक्षा निकेतन के छात्र–छात्राएं भी हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए। बच्चे भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाते हुए पूरे उत्साह के साथ यात्रा में आगे बढ़ते रहे। यात्रा का कस्बे में जगह–जगह स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। कई स्थानों पर लोगों ने यात्रा में शामिल लोगों पर पुष्प वर्षा कर देशभक्ति के इस आयोजन का उत्साह बढ़ाया। मार्ग में तिरंगे के साथ चल रहे लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। पंथवारी देवी मंदिर पर यात्रा के समापन के बाद विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने तिरंगे के महत्व और देश की एकता–अखंडता में इसके प्रतीकात्मक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान विदेश में फंसे भारतीय छात्रों को तिरंगे के माध्यम से मिली मदद का उल्लेख करते हुए कहा कि तिरंगा केवल भारत की पहचान ही नहीं, बल्कि दुनिया के किसी भी कोने में भारतीयों के लिए भरोसे और सुरक्षा का प्रतीक है। विधायक ने कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और आज देश विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उन्होंने लोगों से राष्ट्रहित, एकता और देश के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। इस दौरान पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कमलाकांत बाजपेई भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश रंजन त्रिवेदी, पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवम तिवारी पार्टी नेता कुलदीप मिश्रा, अम्बरीश सिंह भदौरिया, प्रधान छोटे भैया शुक्ला, आलोक शुक्ला, मूलचंद बाजपेई, प्रधान अवनीश त्रिवेदी, रामू अग्निहोत्री, अनुज मिश्रा, रामजी शुक्ला, अनुराग अवस्थी, रजनीश गुप्ता, विश्व मोहन मिश्रा, दीपक गुप्ता, कन्हैया शर्मा, हरिशंकर समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा के "वन्दे मातरम अभियान के अंतर्गत NDRF द्वारा तिरंगा यात्रा आयोजित'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहाँपुर' भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार "हर घर तिरंगा अभियान" के तहत "वन्दे मातरम" अभियान के सफल आयोजन के क्रम में आज दिनांक 12.08.2026 को 08वीं वाहिनी NDRF, गाजियाबाद की टीम–8(ड) द्वारा शाहजहाँपुर स्थित हनुमत धाम से तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में "छैः भीम सिंह, Sub-Inspector वीरेंद्र सिंह, ASI धर्मेंद्र सिंह' सहित छःकः के लगभग 30 अन्य अधिकारी एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी जवानों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए तिरंगा यात्रा में सहभागिता की। इस अवसर पर NDRF जवानों द्वारा "वन्दे मातरम" के

उद्घोष के साथ राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश जन–जन तक पहुँचाया गया। यात्रा के माध्यम से आमजन को "हर घर तिरंगा" अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। तिरंगा यात्रा के दौरान NDRF के कर्मियों ने देश के प्रति समर्पण एवं राष्ट्र गौरव की भावना को प्रदर्शित करते हुए आम नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने तथा "वन्दे मातरम" अभियान को सफल बनाने की अपील की। 08वीं वाहिनी NDRF, गाजियाबाद की टीम–8(M) द्वारा आयोजित इस तिरंगा यात्रा से क्षेत्र में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को और अधिक मजबूती मिली।

महिलाओं के विकास में भाजपा चला रही है एक से बढ़कर एक योजनाएं – डॉ बबीता सिंह

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता सिंह चौहान बुधवार अयोध्या पहुंचीं।इस मौके पर उन्होंने सर्किट हाउस में आकर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं की स्थिति के साथ–साथ उनकी समस्याओं और व्यवसाय के संबंध में भी जानकारी लिया।इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं की उत्थान के लिए हमेशा सही योजनाएं चला रही है जिससे महिलाओं का चहुमुखी विकास हो सके।कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं की स्थिति मे काफी सुधार हुआ है।स्वयं सहायता समूहों से महिलाएं 25 से 30 हजार रुपये प्रतिमाह तक कमा रही हैं।महिलाएं परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ पतियों के रोजगार में भी सहयोग कर रही हैं।सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं, जागरुक महिलाएं इसका लाभ उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की भूमिका पर कहा– शिकायत के बाद जांच में समय लगता है, सात साल से कम सजा वाले कुछ मामलों में तत्काल गिरफ्तारी नहीं होती, फिर भी पुलिस बेहतर काम कर रही है।वे पूरा बाजार ब्लॉक में आयोजित तिरंगा यात्रा में भी शामिल हुईं। इससे पहले उन्होंने रामनगरी आकर राम मंदिर तथा हनुमानगढ़ी जाकर दर्शन पूजन किया।

प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।श्रावण मास की प्रथम सोमवार की पूर्व संध्या पर कैंट रेलवे स्टेशन पर प्रभारी निरीक्षक अनिल प्रकाश सिंह ने सुरक्षा कर्मियों के साथ चेकिंग अभियान चलाया।सोमवार को उन्होंने श्रावण मास के प्रथम सोमवार के एक दिन पूर्व श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रभारी बम निरोधक दस्ता उपनिरीक्षक वीरेंद्र बहादुर सिंह की टीम, डॉग स्क्वॉड के साथ कैंट रेलवे स्टेशन के आरक्षण केंद्र, यात्री प्रतीक्षालय,कैंटीन, प्रवेश तथा निकास द्वार के अलावा सभी प्लेटफॉर्मों के अलावा स्टेशन परिसर के बाहर रेलवे सर्कुलेटिंग एरिया पर पार्टी से निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के साथ इधर से गुजरने वाली सभी ट्रेनों के अंदर जाकर भी रेल यात्रियों के सामानों

का भी निरीक्षण किया।साथ ही साथ स्टेशन परिसर के अंदर संदिग्ध व्यक्तियों एवं लावारिस वस्तुओं की जांच की गई।इस मौके पर उन्होंने रेल यात्रियों से अपील किया कि वे अपने सामान की निगरानी रखें, किसी भी अपरिचित व्यक्ति से खाने–पीने की वस्तु स्वीकार न करें तथा कोई संदिग्ध व्यक्ति या लावारिस वस्तु दिखाई देने पर तत्काल जीआरपी, आरपीएफ अथवा रेलवे हेल्पलाइन को सूचना दें।चेकिंग के दौरान प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन अनिल प्रकाश सिंह ने बताया कि रेलवे परिसर में कानून–व्यवस्था भंग करने,अफवाह फैलाने या यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए श्रावण मास के दौरान यह विशेष जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

आत्मरक्षा के उपाय बताए, गुड टच– बैड टच की पहचान

भदोही, (संवाददाता)। मिशन शक्ति फेज–5 के द्वितीय चरण में सोमवार को कोइरौना और ऊंज थाने की महिला बीट पुलिसकर्मियों ने अलग–अलग गांव में चौपाल लगाकर महिलाओं, बालिकाओं को जागरूक किया। महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा के उपाय, गुड टच ६ बैड टच की पहचान, उनके अधिकारों तथा महिला अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि बस, रास्तों एवं सार्वजनिक स्थलों पर मनचलों, शोहदों द्वारा छेड़खानी की घटना होने पर भयभीत न हों, बल्कि तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 पर शिकायत दर्ज कराए। इसके अलावा सरकार के विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 वीमेन हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा और 1930 साइबर हेल्पलाइन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, हर-हर महादेव से गूंजा मंदिर परिसर

गोरखपुर, (संवाददाता)। सावन शिवरात्रि के अवसर पर मंगलवार सुबह से ही शहर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। महादेव झारखंडी मंदिर, बाबा मुक्तेश्वर नाथ मंदिर, मानसरोवर मंदिर और गोरखनाथ मंदिर में भक्त दर्शन–पूजन के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक कर विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर रहे हैं। सुबह से ही मंदिर परिसरों में भक्तों की कतारें लगनी शुरू हो गई। हाथों में पूजा की थाली और जल लेकर पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और पुष्प अर्पित किए। मंदिरों में पूजा–अर्चना का सिलसिला लगातार जारी है। सावन शिवरात्रि को लेकर शिवालयों में विशेष सजावट और पूजन की व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर हर–हर महादेव और बम–बम भोले के जयकारों से गूंज रहे हैं। श्रद्धालुओं में शिवरात्रि को लेकर खासा उत्साह नजर आ रहा है। सुबह से ही परिवार के साथ बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का आशीर्वाद जलाभिषेक कर ले रहे हैं।

खड़ेसरी में बनेगी 251 फीट आंबेडकर प्रतिमा, कैबिनेट मंत्री ओपी राजभर ने संकल्प यात्रा को दिखाई हरी झंडी

गोरखपुर, (संवाददाता)। बड़हलगंज खड़ेसरी स्थित साईं धाम में डॉ. भीमराव आंबेडकर की 251 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित करने के लिए सोमवार को संकल्प यात्रा और हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया गया। मानव शिक्षा सेवा संस्था के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने संकल्प यात्रा को रवाना किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि बाबा साहेब के संविधान और उनके सपनों को साकार करने का काम भाजपा सरकार कर रही है। महिलाओं को आरक्षण देने का काम भी संविधान की भावना के अनुरूप किया जा रहा है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा सरकार में योग्य लोगों को अयोग्य बनाने का काम किया जाता था। आवास तक बिकते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश में उद्योग स्थापित हो रहे हैं और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानव शिक्षा सेवा संस्था ने जो पहल की है, उसमें हरसंभव सहयोग किया जाएगा। बाबा साहेब के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे इस प्रयास में सभी को सहयोग करना चाहिए। विधायक राजेश त्रिपाठी ने कहा कि राजा सुहेलदेव ने समाज के दबे–कुचले लोगों के उत्थान के लिए अग्रणी भूमिका निभाई थी। उसी भावना को आगे बढ़ाते हुए मानव शिक्षा सेवा संस्था की ओर से किया जा रहा यह कार्य सराहनीय है। उन्होंने कहा कि 251 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित होने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नया कीर्तिमान स्थापित होगा। इस पुनीत कार्य को पूरा करने में सभी की सहभागिता जरूरी है। एनडीए सरकार बाबा साहेब के सपनों को साकार करने के लिए काम कर रही है। सुभासपा युवा मंच के राष्ट्रीय प्रभारी शिखर गुप्ता ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. आंबेडकर की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा खड़ेसरी के साईं धाम में स्थापित की जाएगी। इसका उद्देश्य उनके विचारों और सामाजिक योगदान को जन–जन तक पहुंचाना है। इसके लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। वाहन पर लगी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से डॉ. आंबेडकर के जीवन और समाज के लिए किए गए उनके कार्यों पर आधारित चलचित्र गांव–गांव तक पहुंचाया जाएगा। मानव शिक्षा सेवा संस्था के प्रबंधक आलोक गुप्ता और भाजपा नेत्री पूनम गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन अभिषेक राय ने किया।

तिरंगे की शान के लिए हर एक भारतीय को रहना होगा आगे – दीपक

भदोही, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से चलाए जा रहे तिरंगा यात्रा अभियान के तहत सोमवार को जिले के चौरी, डीघ व सेमराधनाथ मंडल में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने यात्रा में सहभागिता कर राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश दिया। यात्रा के दौरान भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के जयघोष से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओत–प्रोत हो गया।चौरी मंडल में तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा कि तिरंगा भारत की अस्मिता का प्रतीक है। इसकी रक्षा और इसके मान को बढ़ाने के लिए हर एक व्यक्ति को खड़ा रहना चाहिए। इसी तरह डीघ मंडल में तिरंगा यात्रा का नेतृत्व जिला महामंत्री अखिलेंद्र सिंह बघेल ने किया। मौके पर पूर्व सांसद गोरखनाथ पांडेय, संतोष पांडेय, रेनू पांडेय, सुनील मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी नवीन मिश्रा, अखिलेश तिवारी रहे। वहीं सेमराधनाथ मंडल व असनाव मंडल में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

गोरखपुर से दिल्ली और मुंबई के लिए चलेगी साप्ताहिक अमृत भारत ट्रेन

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर से दिल्ली और मुंबई (बांद्रा) के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस नई ट्रेन चलाने की मंजूरी रेलवे बोर्ड ने दे दी है। दोनों ट्रेनें सप्ताह में एक दिन चलेंगी। ट्रेन चलाने के लिए रेलवे प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। दोनों ट्रेनों के चलने से करीब दो हजार यात्रियों का सफर आसान हो जाएगा। खास बात यह है कि ये ट्रेनें 130 किमी की रफ्तार से दौड़ेंगी। रेलवे बोर्ड के निदेशक कोचिंग (रेलवे बोर्ड) संजय आर नीलम ने सोमवार को पत्र जारी कर दिशा निर्देश दिए हैं। गोरखपुर से दिल्ली तक अमृत भारत एक्सप्रेस 15095/15096 नंबर से चलेगी जबकि गोरखपुर से बांद्रा अमृतभारत एक्सप्रेस ट्रेन 15085/15086 नंबर से चलेगी। गोरखपुर से दिल्ली और बांद्रा तक जाने वाली ये दोनों पहली अमृत भारत ट्रेनें होंगी। रेलवे बोर्ड ने प्रयोग के तौर पर अभी इन दोनों ट्रेनों को सप्ताह में एक दिन चलाने की मंजूरी दी है। यात्रियों की डिमांड बढ़ने पर इनके फेरे बढ़ाए जा सकते हैं। बिहार से चलकर गोरखपुर के रास्ते अभी चार अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।